

पाठ-योजना

कविता का नाम	वह देश कौन-सा है
कालांश संख्या	4 से 6
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
कविता का उद्देश्य	- देश के प्राकृतिक सौंदर्य, उत्कृष्ट वैभव, संस्कृति और परंपराओं से अवगत कराना। - त्याग, समर्पण, कर्तव्यपरायणता, निस्वार्थ प्रेम और देश प्रेम की भावना जाग्रत करना। - प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रेरित करना • कविता का हाव-भाव और लययुक्त वाचन सिखाना। • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ बताना - उपसर्ग/प्रत्यय का परिचय देकर अभ्यास कराना • अनुस्वार-अनुनासिक का उच्चारण बताना - विविध गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना।
कविता में आनेवाले विषय	समानार्थी शब्द, उपसर्ग-प्रत्यय, अनुस्वार-अनुनासिक, विशेषण, चित्र सहित चार्ट निर्माण, गीत गायन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन, पत्र-लेखन।
शिक्षण सामग्री	Smart Board and Animation, टेस्ट जेनरेटर, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल, आदि।
मानक/अमानक शब्द	निरंतर/निरन्तर, कंद/कन्द, अनंत/अनन्त, शुद्ध/शुद्ध, सुगंध/सुगन्ध, सुंदर/सुन्दर, आनंद/आनन्द
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	- बच्चों से कविता के शीर्षक और चित्र पर चर्चा करवाएँ—कविता का शीर्षक क्या बता रहा है? कविता में किस देश की बात की जा रही होगी? चित्र में क्या दिखाया गया है? आदि। - बच्चों को देश से संबंधित कोई अन्य कविता सुनाने के लिए कहें। • भारत देश की विविधता एवं संस्कृति के विषय में बताते हुए कविता का मूल भाव और सरलार्थ बताएँ। - Smart Board पर कविता का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। - कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटें तथा लययुक्त वाचन करवाएँ। • वाचन के समय कठिन प्रतीत होने वाले शब्दों के उच्चारण, अर्थ एवं विशिष्ट प्रयोग से छात्रों को अवगत कराएँ।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	- माइंड मैप द्वारा कविता की पुनरावृत्ति करवाएँ। 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 1, 2 तथा 'व्याकरण संबंध' के अंतर्गत आए प्रश्नों के हल पुस्तक में ही करवाएँ। - विषय संवर्धन गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों के समूह बनवाइए। प्रत्येक समूह अपनी इच्छानुसार गतिविधि का चुनाव करे और कक्षा में प्रस्तुत करे। 'क्या होता यदि' शीर्षक के अंतर्गत दी गई स्थिति पर सामूहिक चर्चा करवाएँ और मुख्य बिंदुओं को कॉपी में नोट करने को कहें।

अभ्यास

पढ़िए

1. मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)

दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. बताइए

- क. इस कविता में किस देश की बात की जा रही है?
- उ. इस कविता में भारत की बात की जा रही है।
- ख. भारत के उत्तर और दक्षिण में क्या स्थित है?
- उ. भारत के उत्तर में हिमालय और दक्षिण में सागर स्थित है।
- ग. भारत के सेवक कौन हैं और कितने हैं?
- उ. भारत के चालीस करोड़ नागरिक इसके सेवक हैं। (कविता लिखते वक्त भारत की जनसंख्या इतनी ही थी।)

3. सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)

- ◆ क्या हम अपनी नदियों को आज 'सुधा की धारा' कह सकते हैं? विचार कीजिए। नदियों में सुधा की धारा बहती रहे, इसके लिए हमारा क्या प्रयास होना चाहिए?
- उ. आज हम अपनी नदियों को 'सुधा की धारा' नहीं कह सकते हैं क्योंकि आज ये नदियाँ अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। मनुष्य के स्वार्थ ने इन नदियों को प्रदूषित कर दिया है। आज ये नदियाँ मानवजनित मैला ढो रही हैं। इन नदियों में सुधा की धारा बहती रहे, इसके लिए हमें निम्नलिखित प्रयास करने होंगे—
 - नदियों का प्रवाह अविरल रहे, ऐसा प्रयास करना होगा।
 - नदियों को गंदगी से मुक्त करना होगा।
 - सरकारी प्रयास ही काफी नहीं होंगे, जनजागृति से ही नदियों को जीवनदान दिया जा सकता है।
 - नदियाँ किसी सरकार/राज्य या समुदाय की नहीं हैं बल्कि समूची मानवजाति की हैं, इस भाव को जगाना होगा।
 - नदियों के किनारे बसे हुए नगरों को अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाना होगा। (छात्र अपने विवेक के आधार पर आगे लिखें)

लिखिए

1. सही विकल्प पर ✓ का निशान लगाइए—

- | | | |
|---|-----------------------|-------------------------------------|
| क. भारत के बारे में कौन-सी बात सही नहीं है— | iv. लोग अशिक्षित हैं। | ☒ |
| ख. 'सुधा की धारा' का आशय है— | ii. अमृत की धार | ☒ |

2. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

छोड़ा राज्य कौन-सा है?

- | | | |
|---|----------------------|-------------------------------------|
| क. स्वराज्य से आप क्या समझते हैं? | i. अपना शासन | ☒ |
| ख. राम ने अपना राज्य क्यों छोड़ दिया? | iii. पिता के आदेश से | ☒ |
| ग. लक्ष्मण और भरत को कैसे भाई कहा गया है? | i. निस्स्वार्थ भाई | ☒ |
| घ. राज्य को 'तृणवत' क्यों कहा गया है? | | |
| उ. तृणवत का अर्थ है—तिनके के समान अर्थात् तुच्छ। राम को अपने पिता की आज्ञा के आगे अपना राज्य तुच्छ लगा। इसलिए इसे तृणवत कहा गया है। | | |

क. लक्ष्मण-भारत को निस्स्वार्थ भाई क्यों कहा गया है?

उ. लक्ष्मण-भारत को निस्स्वार्थ भाई इसलिए कहा गया है क्योंकि उन्होंने स्वार्थ रहित होकर भाई के लिए अपना भी छोड़ दिया।

3. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. देश के खाद्य पदार्थों के बारे में क्या कहा गया है?

उ. देश की धरती में रसीले फल, कंद, अनाज, मेवे पैदा होते हैं। यहाँ की धरती उर्वर और उपजाऊ है।

ख. 'रत्नेश चरण धो रहा है' से कवि का क्या आशय है?

उ. भारत के दक्षिण भाग के चारों ओर फैला समुद्र ऐसा लगता है मानो देश के चरण धो रहा है।

ग. भारत की सेवा करनेवाले कौन लोग हैं?

उ. भारत की सेवा करोड़ों देशवासी करते हैं।

4. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. कविता के आधार पर भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उ. भारत देश का सौंदर्य अतुलित है। हिमालय इसके उत्तर में मुकुट के समान सुशोभित है। दक्षिण में स्थित पर्वतों को धोता प्रतीत होता है। नदियाँ अपने जल रूपी अमृत से इस देश की धरती को सींचती हैं। पत्तों, फल और मेवे सभी कुछ देती हैं। हरे-भरे मैदान और पर्वत सभी के आकर्षण का केंद्र हैं।

ख. जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है—कवि के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

उ. कवि यहाँ पर यह कहना चाहता है कि यह धरती प्राकृतिक संपदा और पूर्वजों द्वारा संचित धन से संपन्न है। कारण है कि किसी समय में यह देश सोने की चिड़िया कहा जाता था। मैं इस कथन से पूरी तरह सहमत हूँ।

ग. यहाँ की शैक्षिक स्थिति के बारे में कवि ने क्या लिखा है?

उ. भारत ने पूरे विश्व को अपने ज्ञान से आलोकित किया था। हमारा देश संसार का गुरु रहा है। शिक्षा के ज्ञान का अखिल विश्व का केंद्र था। यहाँ अनेक देशों से शिक्षार्थी शिक्षा प्राप्त करने आया करते थे। यह देश वेदों, प्रमुख संस्कृतियों का मिलन केंद्र था।

घ. भारत की कोई दो विशेषताएँ लिखिए जिनपर देशवासियों को गर्व है।

उ. i. भारत देश आज भी शिक्षा और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अग्रणी है।

ii. यहाँ विविध भाषा-भाषी, अनेक धर्मों के माननेवाले लोग मिल-जुलकर रहते हैं।

भाव स्पष्ट कीजिए—

क. पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया।

उ. भारत देश ने ही सबसे पहले अखिल विश्व को ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित किया था। आज यह देश अनेकों के लिए प्रकाश स्तंभ के समान है।

उ. चालीस कोटि भाई सेवक सपूत जिसके।

ख. इस देश के सभी चालीस करोड़ नागरिक (तत्कालीन) प्रेमपूर्वक रहते हैं और देश की सेवा करते हैं।

समझिए व्याकरण संबोध

1. समानार्थी शब्द लिखिए—

रत्नेश — "रत्नाकर/समुद्र"

प्रसून — "पुष्प"

सुधा — "अमृत"

गिरि — "पर्वत"

पृथ्वी — "पृथ्वी"

मनो — "मनो"



पाठ-योजना

पाठ का नाम	बातूनी
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• सामाजिक आचार-व्यवहार को दर्शाना • व्यंग्य लेखन-शैली से परिचित करवाना • सह अस्तित्व, समभाव और समायोजन सिखाना • पाठ का भावानुसार वाचन • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ बताना • सकर्मक-अकर्मक क्रिया तथा विधेय का परिचय तथा पहचान करवाना • पाठ में आए मुहावरों के अर्थ और वाक्य सिखाना • विविध गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करवाना।
पाठ में आने वाले विषय	समानार्थी, सकर्मक-अकर्मक क्रिया, मिश्रित व्याकरण, उद्देश्य-विधेय, स्वानुभव लेखन, भ्रमण, भाषण, मुहावरे, अपठित बोध।
शिक्षण सामग्री	Smart Board and Animation, टेस्ट जेनरेटर, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheet) कॉपियाँ, पेंसिल, आदि।
मानक/अमानक शब्द	चिट्ठी/चिट्ठी, लंबा/लम्बा, संबंध/सम्बन्ध, घंटे/घण्टे
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• पाठ के शीर्षक पर चर्चा करवाएँ—शीर्षक से पाठ की विषय वस्तु के बारे में क्या चलता है? बातूनी किसे कहते हैं? आपके परिचितों में कौन-कौन है जो बातूनी कहना पात्र से मेल खाते हैं? कहानी का मुख्य पात्र कौन हो सकता है? आदि। • पाठ में दिया चित्र दिखाएँ और चित्र में दिख रहे स्थान और लोगों पर चर्चा करवाएँ—लोग कौन हो सकते हैं? ये एक दूसरे से क्या कह रहे होंगे? शीर्षक और चित्र का संबंध हो सकता है आदि। • Smart Board पर पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और सुनवाएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटकर पाठ का वाचन करवाएँ। • पाठ के सार सरल शब्दों में समझाएँ। • एकाग्रता और ग्राह्यता का ध्यान रखते हुए बीच-बीच में छोटे-छोटे प्रश्न पूछते रहें। • वाचन करते समय कठिन प्रतीत होनेवाले शब्दों को Board पर लिखें। • कठिन शब्दों का सही उच्चारण, अर्थ और विशिष्ट प्रयोग बताएँ। • मुहावरे रेखांकित करवाएँ। उनके अर्थ बताएँ और अपने वाक्यों में प्रयोग करवाएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और भी विचार रखें।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत प्रश्न 1 और व्याकरण संबंधी प्रश्नों के हल पुस्तक में ही करवाएँ। प्रश्न 2 और 3 पर कक्षा में चर्चा करें और कॉपी में हल लिखवाएँ।



ग. लेखक को सज्जन से डर क्यों लगता था?

उ. लेखक को सज्जन से इसलिए डर लगता था क्योंकि वे बातों में से बात निकालकर लेखक का समय किसी से भी अपना कोई संबंध निकालकर अनर्गल प्रलाप करते रहना उनकी खासियत थी।

घ. सज्जन के चेहरे पर लेखक को देखकर क्या भाव आते थे?

उ. सज्जन के चेहरे पर लेखक को देखकर वही भाव आते थे, जो सुरसा के मुख पर हनुमान को देखकर आता था।

3. सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)

◆ आज के मशीनी युग में शहरों में एक पड़ोसी दूसरे को नहीं जानता। पड़ोसी को जानना और उससे बातचीत करना है या नहीं— अपने विचार प्रकट कीजिए।

उ. पड़ोसी को जानना और उससे बातचीत करना अच्छा है क्योंकि—

- पड़ोसी ही सबसे पहले हमारे दुख के साथी होते हैं।
- हम किसी भी समस्या का समाधान बातचीत से प्राप्त कर सकते हैं।
- पड़ोसी से बातचीत करके मन हलका हो जाता है। • एक-दूसरे के प्रति समझ बढ़ती है।
- त्योहारों पर मेल-जोल से खुशियाँ बढ़ जाती हैं। • पड़ोसी से बातचीत करके परस्पर प्रेम की भावना का विकास होता है। (छात्र अनुभव के आधार पर अन्य बिंदु भी बता सकते हैं।)

लिखिए

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मैं जिसका गोद में खिलाया है।

क. किसी का भी नाम लेने पर सज्जन उससे कौन-कौन से रिश्ते निकाल लेते थे? iv. चारों सही हैं ✓

ख. संबंध निकालकर सज्जन क्या करते थे? iii. संबंधों के बारे में बताते थे ✓

ग. कौन सज्जन के चाचा के दोस्त हैं? iii. भगवान ✓

घ. लेखक के अनुसार सज्जन भगवान को कैसे जानते होंगे?

उ. लेखक के अनुसार भगवान भी सज्जन के चाचा के बड़े अच्छे दोस्त होंगे। दोनों स्वर्ग में साथ काम करते होंगे। भगवान ने सज्जन को गोद में खिलाया होगा।

इ. भगवान से मिलने जाने के बहाने लेखक क्या करना चाहता था?

उ. लेखक सज्जन को भाँपना चाहता था कि भगवान के साथ वे कैसे रिश्ता स्थापित करेंगे।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. लेखक क्या कष्ट भुगत रहा था?

उ. लेखक सज्जन से चिट्ठी डलवाने के बाद से उनके अनर्गल प्रलाप को सुनने का कष्ट भुगत रहा था।

ख. लेखक को किसी से 'आप कहाँ जा रहे हैं' सवाल पूछना अटपटा क्यों लगता था?

उ. यह सवाल अनावश्यक और किसी के जीवन में हस्तक्षेप करने जैसा था। इसलिए लेखक को अटपटा लगता था।

ग. लेखक को देखकर बातूनी का चेहरा खिल उठता था पर लेखक काँप जाता था। क्यों?

उ. बातूनी का चेहरा इसलिए खिल जाता था क्योंकि उन्हें लेखक के रूप में एक साथी मिल जाता था। मगर वे सन्दर्भ की बातें अधिक करते थे इसलिए लेखक काँप जाता था।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. 'मेरा काम करके उन्होंने मेरे ऊपर हमेशा के लिए अधिकार जमा लिया था'— लेखक ने ऐसा क्यों कहा?

उ. लेखक ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि अब जब भी लेखक कहीं के लिए निकलता और उन सज्जन को दिख जाता, सज्जन उसे देखकर बहुत प्रसन्न होकर और अधिकार से पूछते, कि वे कहाँ जा रहे हैं। लेखक को हर बार आते-जाते रास्ते में टोकते रहना पसंद नहीं था।

ख. सिविल सर्जन और प्रोफेसर तिवारी से सज्जन किस तरह परिचित थे?

उ. सज्जन के अनुसार डा. गुप्ता उनके चाचा के बड़े अच्छे दोस्त थे। नागपुर में पास-पास बैंगला था। वे उन्हें गौद में खिलाते थे। प्रोफेसर तिवारी सज्जन के फ़ादर इन लॉ (ससुर) के वे बड़े पुराने दोस्त थे। दोनों साथ-साथ पढ़ते थे। अभी भी वे उनके प्रति प्रेमभाव रखते थे।

ग. “अच्छा, तो फिर घर पर ही दर्शन करूँगा।” सज्जन का यह कथन सुनकर लेखक ने क्या सोचा?

उ. लेखक ने सोचा कि अगर वे घर पर दर्शन करने आ पहुँचे, तो घंटों बैठेंगे। सोच-विचार के बाद यह तय किया कि वे फिर उनके घर के सामने से निकलना शुरू कर दें। वहीं दर्शन दें ताकि सज्जन घर पर दर्शन करने न आ पहुँचें।

घ. ‘बातूनी सज्जन’ के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। आपकी दृष्टि में वे कैसे इन्सान हैं?

उ. ‘बातूनी सज्जन’ के चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

- बातूनी सज्जन बात में से बात निकालने में निपुण हैं। • ऐसे व्यक्ति कभी भी अकेले नहीं होते हैं।
- बातूनी सज्जन सरल मन के व्यक्ति हैं।
- बात-बात में संबंध बनाना उनके व्यवहार की कुशलता है। • वे मिलनसार हैं।

बातूनी सज्जन भले ही बोलते अधिक हैं लेकिन मन के साफ़ है। ऐसे लोगों की हमारे उस समाज को बहुत आवश्यकता है जहाँ लोगों के जीवन में सूनापन छाया हुआ है।

आशय स्पष्ट कीजिए—

❖ बस, उनके ‘सहर्ष’ ने मेरा ‘हर्ष’ तभी से जो छीना है, वह तो आज तक वापस नहीं मिला।

उ. अपना काम सज्जन से करवाकर लेखक कष्ट में पड़ गए हैं। लेखक जब भी बातूनी सज्जन से मिलते हैं तो वे अपनी बातों से उन्हें खिझा देते हैं। वे परेशान होकर उनसे पीछा छुड़ाना चाहते हैं। सज्जन सहर्ष अर्थात् प्रसन्नता से मिलते हैं परंतु लेखक की खुशी का हरण कर लेते हैं।

समझिए व्याकरण संबोध

1. समानार्थी शब्द लिखिए—

भाग्य	—	“किस्मत”	हर्ष	—	“प्रसन्नता”	बेवकूफ़	—	“मूर्ख/नादान”
नर	—	“मानव”	किताब	—	“पुस्तक”	कष्ट	—	“पीड़ा”

2. अकर्मक-सकर्मक क्रिया रेखांकित कर कोष्ठक में ‘अ’ या ‘स’ लिखिए—

क. वह चिट्ठी डाल दी थी?	(स)	घ. वे बाज़ार में मिल गए।	(अ)
ख. आप कहाँ जा रहे हैं?	(अ)	ङ. वे पास आकर हाथ पकड़ लेंगे।	(स)
ग. मैं आपका लिफ़ाफ़ा ज़रूर डालूँगा।	(स)	च. मुझे घबराहट होने लगी।	(अ)

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

क. यदि छुट्टी—छुट्टियाँ है तो हड्डी—“हड्डियाँ”, भट्टी—“भट्टियाँ”

ख. आगत ध्वनि — लगे दो शब्द लिखिए—“कॉल”, “मॉल”

ग. उचित स्थान पर नुकता लगाइए— कमज़ोर, फ़कीर, लिफ़ाफ़ा, ज़्यादा, ऑफ़िस

घ. उचित स्थान पर चंद्रबिंदु लगाइए—महिलाएँ, खूँखार

ङ. ‘अ’ उपसर्गयुक्त शब्द लिखिए— “अकाल”, “अटल”

च. ‘ता’ प्रत्यययुक्त शब्द लिखिए— “मनुष्यता”, “सरलता”

छ. विलोम लिखिए— सज्जन— “दुर्जन”, आरंभ— “अंत”

पाठ-योजना

पाठ का नाम	राजा
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• प्राचीनकाल के उदारवादी राजा और प्रजा के मध्य के संबंधों की जानकारी देना। • इतिहास के रोचक तथ्यों से अवगत करवाना • राजा रणजीत सिंह की चरित्रिक विशेषताओं से अवगत करवाना • संवदेनशीलता तथा विनम्रता जैसे मूल्यों का विकास करना • पाठ का भावानुसार वाचन सिखाना • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ सिखाना • नुकता और कारकों का परिचय देकर अभ्यास करवाना • मुहावरों के अर्थ और वाक्य प्रयोग सिखाना। • विविध गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना।
पाठ में आने वाले विषय	नुकतेवाले शब्द, पर्यायवाची, विपरीतार्थक, कारक, परियोजना निर्माण, सूची निर्माण, प्रेजेंटेशन बनाना, वाद-विवाद
शिक्षण सामग्री	Smart Board and Animation, टेस्ट जेनरेटर, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल, आदि।
मानक/अमानक शब्द	उत्तर/उत्तर, गुरुद्वारों/गुरुद्वारों, झुंड/झुण्ड
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• बच्चों को पाठ के शीर्षक और चित्रों पर चर्चा करने दें—पाठ के शीर्षक से इसकी कथावस्तु के बारे में क्या पता चलता है? पाठ का मुख्य पात्र कौन हो सकता है? चित्रों में क्या हो रहा है? चित्र किस काल के लग रहे हैं? लोग पंक्ति बनाकर क्यों खड़े होंगे? आदि। • बच्चों से पुराने राजा-महाराजाओं के बारे में बातचीत करें। उनकी शासन प्रक्रिया के बारे में बताएँ। • Smart Board पर पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • अब पाठ का सार बताएँ तथा पाठ का छोटे-छोटे समूहों में वाचन करवाएँ। • एकाग्रता बनाए रखने के लिए बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें। • वाचन करते समय कठिन प्रतीत होनेवाले शब्दों को Board पर लिख लें। • कठिन शब्दों का सही उच्चारण, अर्थ और विशिष्ट प्रयोग बताएँ। • पाठ में से मुहावरे चुनने को कहें। • मुहावरों के अर्थ पूछें—बताएँ अथवा वाक्य प्रयोग बताएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और अपने भी विचार रखें।
मध्य कौशल—लेखन, वाचन	• माईड मैप द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत प्रश्न 1 और व्याकरण संबंधी दिए प्रश्नों के हल पुस्तक में ही करवाएँ। प्रश्न 2 और 3 पर कक्षा में चर्चा करें और कॉपी में हल लिखवाएँ।



ख. वृक्षों के पत्ते उबालकर खाना क्या दर्शाता है ?

उ. उस वर्ष राज्य में भारी अकाल पड़ा था। लोगों के घरों में संचित जो भी अन्न था सभी समाप्त हो चुका था। लोगों के पास धन का नितांत अभाव था। कई दिनों तक लोगों ने संघर्ष करते हुए वृक्षों के पत्ते उबालकर खाए थे। इससे अकाल की भीषणता का पता चलता है।

ग. फाटक पर खड़े सिपाही सफ़ेद कपड़ों वाले लोगों को अंदर क्यों नहीं जाने दे रहे थे ?

उ. फाटक पर खड़े सिपाही सफ़ेद कपड़ों वाले लोगों को अंदर जाने नहीं दे रहे थे क्योंकि उनका मानना था कि सफ़ेद कपड़े अमीर लोग पहनते हैं अर्थात् उनकी नज़र में सफ़ेद कपड़े पहननेवाले अमीर हुआ करते थे।

3. सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)

❖ अकाल, बाढ़, सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? प्रत्येक नागरिक और समाज के योगदान की चर्चा कीजिए।

उ. किसी भी आपदा के समय घबराना नहीं चाहिए। बाढ़-सुनामी आने पर ऊँचे स्थान पर चले जाना चाहिए। एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए। भोजन-सामग्री बचाकर रखनी चाहिए तथा बच्चे, बूढ़ों, दिव्यांगों और महिलाओं की मदद करनी चाहिए (इस प्रकार छात्र चर्चा को आगे बढ़ाएँ)

लिखिए

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मैंने कहा भारी हो रहे थे।

क. बच्चा क्या माँग रहा था?

i. रोटी ✓

ख. अभी तक बच्चा क्या खा रहा था?

iii. पत्ते ✓

ग. बच्चा क्या सोचता था?

iii. अकाल गरीबों के यहाँ ही है ✓

घ. रोटी कौन, किससे और क्यों माँग रहा था?

उ. बच्चा, बाबा से रोटी माँग रहा था क्योंकि भूख अब सहन नहीं हो रही थी।

ङ. 'मन-मन भर भारी होना' का क्या अर्थ है?

उ. जीवन में हर तरह से निराशा भरी हुई थी। निराश मन से घर लौटने के लिए पैर उठ नहीं रहे थे।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. लेखक प्रेसवाले की कौन-सी बात सुनकर चौंका?

उ. लेखक प्रेसवाले की उम्र जानकर चौंक गया।

ख. सरकारी आदमी क्या मुनादी कर रहा था?

उ. सरकारी आदमी महाराजा रणजीत सिंह द्वारा गरीबों को अनाज देने की मुनादी कर रहा था।

ग. राजा की उदारता पर लोगों की क्या प्रतिक्रियाएँ थीं?

उ. लोगों की प्रतिक्रिया थी कि राजा आदमी नहीं, देवता हैं।

घ. बाबा को अनाज मुफ्त मिलने की बात पर विश्वास क्यों नहीं हुआ?

उ. बाबा निराश हो चुके थे इसलिए उन्हें अनाज मुफ्त मिलने की बात पर विश्वास नहीं हुआ।

ङ. सबको बीस-बीस सेर अनाज मिल रहा था पर बाबा को चालीस सेर मिला। क्यों?

उ. बाबा ने अपनी बेबसी, गरीबी और बुढ़ापे का हवाला देकर चालीस सेर अनाज प्राप्त किया।



3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

- क. अकाल पड़ने पर क्या हुआ ?
- उ. अकाल पड़ने पर चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। तालाब, नदी, नाले सूख गए थे। मुख्यमन्त्री पड़ते, हिंदू मंदिरों में पूजा करते, सिक्ख गुरुद्वारों में ग्रंथ साहब का पाठ करते थे। बाजारों में गिरावट पर चाहक न थे, घरों में अनाज न था। लोग भूखों मर रहे थे।
- ख. सारे घर को रात में नींद क्यों नहीं आई ?
- उ. यह जानकर कि घर तक गठरी पहुँचाने वाला कोई और नहीं था बल्कि स्वयं उनके महाराज थे, सारे घर नींद नहीं आई। सारा घर जागता था और सच्चे दिल से महाराज के लिए दुआ माँगता था।
- ग. सरदार साहब की विशेषताएँ लिखिए। उदाहरण भी दीजिए।
- उ. सरदार साहब की विशेषताएँ—
- सरदार साहब दयालु थे। जनता के दुख को अपना दुख समझते थे। अकाल के समय में उन्होंने बच्चे खरीदकर जनता में निशुल्क वितरित करवाया था।
 - उनमें अहंकार नाममात्र को भी नहीं था। जब बूढ़े बाबा से अनाज की गठरी नहीं उठी तो स्वयं ही बूढ़े बाबा के घर तक ले गए थे।
 - सरदार साहब सच्चे कर्मयोगी थे। लोभ-लालच तो उन्हें झू भी नहीं गया था।

आशय स्पष्ट कीजिए—

- क. आजकल तो पचास साल से पहले ही तैयारी कर लेते हैं।
- उ. आजकल लोगों की जीवन शैली कुछ ऐसी हो गई है कि पचास की उम्र तक आते-आते अनेक असाध्य रोग लेते हैं और व्यक्ति असमय ही मौत के मुँह में चला जाता है।
- ख. पानी सिवाय आँखों के कहीं नजर न आता था।
- उ. राज्य में पानी के सभी स्रोत नदी, तालाब, कुएँ सूख चुके थे। चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। पानी के स्रोतों की आँखों में आँसू के रूप में दिखाई देता था।

समझिए व्याकरण संबोध

1. इन शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता लगाकर लिखिए—

आवाज	—	“आवाज”	जमीन	—	“जमीन”	कागज	—	“कागज”
बरफ	—	“बरफ”	ज्यादा	—	“ज्यादा”	टेलीफोन	—	“टेलीफोन”
अंग्रेज	—	“अंग्रेज”	महफिल	—	“महफिल”	जमाना	—	“जमाना”

2. पर्यायवाची शब्द लिखिए—

नेत्र	—	“नयन”	“आँख”	नदी	—	“सरिता”	“तरंगिणी”
राजा	—	“नृप”	“महीप”	अमीर	—	“रईस”	“धनवान”
वर्षा	—	“बरखा”	“बारिश”	फूल	—	“पुष्प”	“सुमन”

3. विपरीतार्थक शब्द लिखिए—

सुखी	×	“दुखी”	विश्वास	×	“अविश्वास”	गरीब	×	“अमीर”
महँगा	×	“सस्ता”	संदेह	×	“निस्संदेह”	अनजान	×	“जानकार”